(d) OIL have informed that pending takes of 1994 in respect of non-cone sector have not been revalidated except for the permissible grace period of one month. Validity of consents being issued now is being restricted to the concerned quarter with the permissible grace period of one month.

(e) CIL have infrmed that they have secured 100 per cent financial coverage from the consumers against the consents given in 1995-96.

Reintroducing Maximum Export Price for Tobacco

5072. SHRI SANJAY DALMIA: Will (he Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether Government are consider ing to reintroduce the scheme to pro vide Maximum Export Price for Tobacco; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE) MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) and (b) Government have never stipulated any Maximum Export Price for tobacco nor is there any proposal to do so.

Circular issued by DGFT disallowing licensing of imports

5073. PROF. VIJAY KUMAR MA-LHOTRA: Will the Minister of COM-MERCE be pleased to state:

(a) whether Government have withdrawn a circular issued by the Director General of Foreign Trade (DGFT) disallowing licencing of imports which are not linked to export production under value advance licencing scheme (VABAL): and

(b) if so, the details of the circular and the reasons, for issuing the circular and then withdrawing it?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) and (b) Yes', Sir. ACL circular No. 17/94 dated 8-11-94 was issued laying down the nexus between the export products and items of imports with reference to their technical characteristics, including grade quality and specifications. However, the above circular was withdrawn *vide* ALC Circular No. 21/94, dated 16-12-94 as it posed difficulties where broad handing was permitted for certain export products. In any case the applicant while applying for an advance licenoe is required to indicate in the application form, the broad technical charteriistics of each item of import and export.

कृषि उत्पादों के निर्यात में वृद्धि

5074. **प्रो. राम लखन सिंह वर्मा :** क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हमारे कृषि उत्पादों के निर्यात में भारी वृद्धि हुई है ;

(ख) यदि हां, तो गत एक वर्ष में कितने डालर की वृद्धि हुई है ;

(ग) निर्यात किए गए उत्पादों के नाम क्या-क्या हैं ; और

(घ) क्या सरकार विकसित देशों के फाइटोसेनिटरी मानकों को पूरा करने में समर्थ रही है ?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम्) : (क) से (ग) वर्ष 1993-94 तथा 1994-95 (अप्रैल-जनवरी) के दौरान काफी, चाय तथा कपास को छोड़कर कृषिजन्य उत्पादों का निर्यात क्रमश: 7534.26 करोड़ रु० और 5608.25 करोड़ रु० मूल्य का हुआ था (स्रोत: डी० जी० सी० आई एंड एस) निर्यात की गई प्रमुख कृषिजन्य, वस्तुएं ये हैं —बासमती चावल, तंबाकू मसाले, काजू, तेल खाद्य तथा फल एवं सब्जियां । निर्यात की गई कृषिजन्य वस्तुओं

के ब्यौरे डी० जी० सी० आई० एंड एस, कलकत्ता द्वारा प्रकाशित "फारेन ट्रेड स्टेटिस्टिक्स" में दिए गए हैं जिसकी प्रतियां संसद पुस्तकालय में उपलब्ध हैं।

(घ) कृषि उत्पादों के निर्यात में फीटों सेनिटरी मानकों के अनुपालन के बारे में कोई बड़ी शिकायतें नहीं मिली हैं। किन्तु, निर्यातकों की इस बात की सहायता करने के लिए कि वे इन मानकों को पूरा कर लें, वस्तु बोर्ड, निर्यात संवर्धन परिषदें और निर्यात निरीक्षण अभिकरण शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन करते रहते हैं जिनके जरिए इस विषय पर आवश्यक जानकारी का प्रचार-प्रसार किया जाता है, प्रोसेसरों तथा निर्यातकों को विश्लेषण एवं तकनीकी सहायता प्रदान की जाती है और दूरदर्शन एवं रेडियो जैसे-प्रचार-माध्यमों के जरिए कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

व्यापार घाटा

5075. प्रो० राम बक्श सिंह वर्मा : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश का वर्तमान व्यापार घाटा कितना है ; और

(ख) व्यापार घाटे को समाप्त करने में कृषि क्षेत्र का क्या योगदान है और उसके प्रतिशत-वार आंकड़ें क्या हैं?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम्) : (क) डी० जी० सी० आई० ऐंड एस०, कलकत्ता द्वारा तैयार अनंतिम आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-मार्च 1994-95 वह नवीनतम अवधि जिसकी इस प्रकार की सूचना उपलब्ध है, के दौरान 2027.80 मिलियन डालर का व्यापार -घाटा होने का अनुमान लगाया गया है।

(ख) व्यापार-घाटे के बारे में क्षेत्रवार अलग-अलग बताना कठिन है। तथापि, कृषि मदों के निर्यात की आयात सघनता सामान्य रूप से कम है।

Discussion with Swiss delegation on import of Swiss watches

5076. SHRI S. MADHAVAN: Will the Minister of COMMERCE be pleased to, state:

(a) whether Swiss defecation has discussed about allowing Swiss watches into Indian market;

(b) if so, what are the steps taken to remove watches from the negative list of imports;

(c) whether any study has been made of the impact on local watch industry by allowing import of foreign watches; and

(d) if so, what are the results of such study?

THE MINISTER OF, STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) Yes, Sir.

(b) to (d) Government did-not consider it appropriate at this stage to remove watches from the Negative List of Imports ,

Foreign Exchange earnings from garments trade

5077. SHRI TINDIVANAM G. VENKATRAMAN: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state;

ta) the quantum of foreign exchange earnings in 1993, 1994 and 1995 in garments trade;

(b) what is the percentage of increase or decrease in this particular trade;

(c) if there is no improvement in the foreign exchange earnings, what is reasons b?hind it: and

(d) if there is improvement what is the parcentage?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) ' India foreign